BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी सोमवार विक्रम संवत् 2079। 11 जुलाई 2022

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

JKDESIGN 8369994118

इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से होगी निगरानी , निगम ने किया निजी एजेंसी से करार

सुविधा: राजधानी में 15 अगस्त से शुरू होगी 10 स्मार्ट पार्किंग

■ नीरज कमल

पटना। पटना नगर निगम द्वारा शहर को स्मार्ट और ट्रैफिक फ्री बनाने के उद्देश्य से स्मार्ट पार्किंग की सुविधा 15 अगस्त से लोगों को मिलने लगेगी। अभी पहले चरण में 10 जगहों पर स्मार्ट पार्किंग शुरू की जा रही है।

इसमें ट्रांसपोर्ट नगर, मौर्यालोक परिसर, बोरिंग कैनाल रोड, राजधानी वाटिका, एसके पुरी पार्क शामिल है। पटना नगर निगम द्वारा निजी एजेंसी के साथ हो चुके एकरारनामे के अनुसार इसकी पूरी देखभाल एजेंसी करेगी। साथ ही नगर निगम को राजस्व भी बढ़ेगा। सभी 37 पार्किंग स्थल को स्मार्ट बनाने की जिम्मेवारी एजेंसी को दी गयी है।

घर बैठे कहीं भी जाने से पूर्व ही वहां की पार्किंग स्लॉट बुक कर सकते हैं। कैशलेस ऑनलाइन पेमेंट, लाइव ट्रैकिंग जैसी कई अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ यह पटनावासियों को पुराने शुल्क की दर पर ही प्राप्त होगी। पार्किंग शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

37 स्मार्ट पार्किंग का संचालन करेगी निजी एजेंसी, पांच स्थलों से शुरुआत

इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से होगी निगरानी: पटना नगर निगम के सभी 37 पार्किंग स्थल पर सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। इंटीग्रेट कंट्रोल एंड कमांड सेंटर द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी। बुम बैरियर, सेंसर, एप द्वारा बुकिंग, लाइव ट्रैकिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट जैसी कई सुविधाएं स्मार्ट पार्किंग में लोगों को उपलब्ध की जाएंगी। इसके साथ ही जिन लोगों को किसी पर्टिकुलर पार्किंग स्थल पर हर रोज जाना होता है। वह मंथली वीकली पार्किंग स्लॉट भी बुक कर सकते हैं। इससे उनका सेट वहां प्रतिदिन रिजर्व होगा। रोज की पार्किंग की परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। पटना नगर निगम द्वारा इससे पहले से आमजनों को हैवी ट्रैफिक से भी राहत मिलेगी। राजधानी की पार्किंग वाली जगहों को एप से भी जोड़ा जाएगा ताकि आम लोगों को पता चल सके कि कौन सी पार्किंग में कितनी जगह खाली है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट

स्मार्ट पार्किंग स्थल में ई-वाहनों के लिए भी चार्जिंग प्वाइंट की सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही प्री बुकिंग की सुविधा दी जाएगी यानि स्मार्ट पार्किंग में पहले से ही पार्किंग स्थल रिजर्व किया जा सकता है। दिव्यांगजनों के लिए पार्किंग रिजर्व भी रखी जाएगी।

यहां मिलेगी स्मार्ट पार्किंग की सुविधा

विद्युत भवन के सामने, बीएन कॉलेज, अशोक राजपथ, डाकबंगला चौराहा, मारुति शोरूम के पास, पेंसू और पीएचईडी कार्यालय के पास, पुल निर्माण निगम कार्यालय के पास, श्रीकृष्ण पुरी पार्क के पास। राजधानी वाटिका गेट संख्या 2 और 3 के सामने, सहदेव महतो मार्ग, माउंट कार्मेल स्कूल से लेकर पटना वीमेंस कॉलेज तक, मौर्य लोक कॉम्प्लेक्स, महाराजा कामेश्वर कॉम्प्लेक्स के सामने, हड़ताली मोड़ से बोरिंग रोड चौराहा, महावीर मंदिर के सामने, ट्रक स्टैंड, ट्रांसपोर्ट नगर, राजेंद्र नगर ओवरब्रिज से सेंट्रल स्कूल तक, मुन्ना चौक से कुम्हरार टोली तक, एसबीआई, कंकड़बाग, टेम्पू स्टैंड, कंकड़बाग।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 11.07.2022 | पृष्ठ सं० 04

जेपी सेतु के समानांतर 6 लेन के नए पुल के लिए 2200 करोड़ मंजूर, टेंडर इसी साल

केंद्र ने जेपी दीघा सेतु के 180 मीटर पश्चिम नया ब्रिज बनाने के लिए 2200 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। पटना और सोनपुर के बीच गंगा पर बनने वाले इस ब्रिज का इसी साल टेंडर होगा।

इन्द्रभूषण | पटना

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने दीघा सेतु के समानांतर 7.89 किलोमीटर लंबे और 6 लेन वाले इस एक्स्ट्रा डोज केबल ब्रिज के निर्माण के लिए परियोजना कार्यान्वयन यूनिट (पीआईयू) बना दी है। इस पीआईयू में एक एक्जीक्यूटिव इंजीनियर और एक असिस्टेंट इंजीनियर की पोस्टिंग की गई है। मंत्रालय की योजना है कि बरसात के अगले तीन महीने में सभी कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। तकनीकी स्वीकृतियों जैसे जमीन अधिग्रहण से संबंधित 3(ए) का प्रकाशन कर दिया गया है। निर्माण शुरू करने से पहले वाली सभी गतिविधियां शुरू कर दी गई हैं।

इसलैंड वॉटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया से एनओसी ले लिया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और रेलवे से एनओसी लेने के लिए आवेदन दिया जा चुका है। इसी महीने डीपीआर के साथ पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड में प्रस्ताव जाएगा। कैबिनेट कमिटी ऑन इकनोमिक अफेयर्स में भी औपचारिक अनुमति की प्रक्रिया पूरी होगी।

केंद्र ने परियोजना कार्यान्वयन यूनिट बनाई, 1 एक्जीक्यूटिव इंजीनियर व 1 असिस्टेंट इंजीनियर की पोस्टिंग हुई

भारतमाला परियोजना में शामिल यह एनएच वृद्धा सर्किट का महत्वपूर्ण हिस्सा

- मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन महीने में पर्यावरणीय स्वीकृति समेत अन्य तकनीकी मंजूरी पूरी कर दिसंबर के पहले टेंडर करने का लक्ष्य तय है।
- वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 के नेशनल हाईवे के वार्षिक योजना को मंजूर कर लिया गया है। कुल 6795 करोड़ की इस वार्षिक योजना में इस नए ब्रिज बनने के लिए 2200 करोड़ रुपए भी मंजूर किया गया है।

जरूरत क्यों : वर्तमान जेपी सेतु से बड़े वाहनों को आने-जाने में दिक्कत

यह ब्रिज पटना से बेतिया तक के नए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-139 डब्ल्यू) का हिस्सा है। पटना (एम्स) के निकट एनएच-139 से शुरू होकर वाकरपुर (सोनपुर), मनिकपुर-सहेबगंज-अरेराज होते हुए बेतिया के निकट एनएच-727 तक ये सड़कें जाएंगी। मंत्रालय ने भारतमाला परियोजना में इसे शामिल कर लिया है। 115 किलोमीटर लंबा यह एनएच नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा तक जाएगा जो बुद्धा सर्किट का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

8 मीटर चौड़ा सेतु ही बनाना संभव था

2006 में जब वर्तमान जेपी दीघा सड़क सेतु बनाने का निर्णय किया तो पहले से रेल पुल निर्माणाधीन होने के कारण उसके ऊपर अधिकतम डिब्बेदार रहित 8 मीटर चौड़ा सेतु ही बनना संभव था। ऐसे में रेल पुल के ऊपर बनाकर जून 2017 में जेपी सड़क सेतु चालू तो हो गया पर राज्य की बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ती गाड़ियों की संख्या को देखते हुए यह सेतु ज्यादा कारगर साबित नहीं हुआ।

फायदा क्या : उत्तर बिहार की राह आसान

नया ब्रिज बनने के पीछे तर्क ये दिया जाता रहा कि ब्रिज के लिए अतिरिक्त जमीन की आवश्यकता कम से कम पड़ेगी क्योंकि वर्तमान जेपी सेतु के दोनों तरफ 6 लेन और 4 लेन एप्रोच बन कर तैयार है। सिर्फ ब्रिज बनेगा जिसके लिए जमीन की मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। केन्द्र ने भारतमाला परियोजना के तहत इस नए ब्रिज की मंजूरी देकर उत्तर बिहार से पटना आने वाले बड़ी आबादी के लिए मार्ग आसान कर दिया है।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 11.07.2022 | पृष्ठ सं० 1

बेहतर मछली बीज के लिए सीतामढ़ी के बखरी और भोजपुर के कारीसाथ में बनेगा प्रजनक मछली बैंक

फतुहा में मांगुर और झींगा मछली बीज उत्पादन की है तैयारी, बिहार में मछली उत्पादन को बढ़ावा

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

राज्य के मछली उत्पादकों को अच्छी क्वालिटी की मछली बीज की उपलब्धता बढ़ेगी। क्योंकि मछली बीज तैयार करने वालों को बेहतर क्वालिटी के प्रजनक नर और मादा मछली आसानी से मिलेगी। इसके लिए सीतामढ़ी के बखरी और भोजपुर के कारीसाथ में में प्रजनक मछली बैंक (ब्रूड बैंक) तैयार होना है। दोनों प्रजनक बैंक के लिए 5-5 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। पटना के फतुहा में मांगुर और झींगा मछली बीज उत्पादन भी जल्द शुरू होगा। अच्छी क्वालिटी का मछली बीज की उपलब्धता बढ़ने पर मछली पालकों को लाभ होने के साथ ही उपभोक्ताओं को भी ताजी मछलियों की उपलब्धता बढ़ेगी। सीतामढ़ी बखरी में लगभग 30 एकड़ में ब्रूड बैंक के साथ हैचरी तालाब, आरसीसी टैंक और मत्स्य वैज्ञानिकों के लिए आवास बनाया जाना है। निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाला है।

माना जा रहा है कि 2024 से ब्रूडर (प्रजनक मछली) तैयार होगा। भोजपुर के कारीसाथ में भी ब्रूड बैंक के साथ हैचरी तालाब, आरसीसी टैंक और मत्स्य वैज्ञानिकों के लिए आवास बनाना है। भोजपुर में 2025 से प्रजनक मछली तैयार होने की उम्मीद जताई जा रही है। दोनों जगहों पर रेहू, कतला और मृगल प्रजनक मछली तैयार होंगे। फतुहा में मांगुर और मीठे पानी का झींगा बीज तैयार होगा। मांगुर और झींगा पालक किसानों को यहां से अच्छी क्वालिटी का बीज मिल सकेगा। यह वैज्ञानिकों के लिए रिसर्च और मांगुर और झींगा मछली उत्पादक किसानों के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। पशु व मत्स्य विभाग द्वारा इसे डेमोस्ट्रेशन के तौर पर तैयार कराया जा रहा है। इसके पहले समस्तीपुर पूसा के ढोली फिशरीज कॉलेज परिसर में झींगा बीज तैयार करने के लिए सेंटर बनाया गया था, लेकिन चालू ही नहीं हो सके हैं।

बिहार में मछली की डिमांड राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। देश में प्रति व्यक्ति मछली की डिमांड 11 किलो है। बिहार में यह 11.2 किलो प्रति व्यक्ति है। वर्तमान में बिहार में प्रति व्यक्ति 9.60 किलो मछली की खपत है, जो डिमांड से कम है।

मछली बीज का उत्पादन डिमांड से अधिक

2021-22 में बिहार में मछली उत्पादन 6.83 लाख टन हुआ है। बिहार में मछली की डिमांड 7.33 लाख टन है। विभाग का लक्ष्य है कि इस साल बिहार आवश्यकता के अनुरूप मछली उत्पादन पूरा हो जाएगा। विभागीय आंकड़े के अनुसार बिहार में मछली बीज का उत्पादन डिमांड से अधिक हो रहा है। वर्तमान में राज्य में मछली बीज (फ्राय) उत्पादन 1709 लाख टन है। डिमांड 1695 लाख टन है।

सीतामढ़ी बखरी में प्रजनक मछली बैंक बनना है और भोजपुर कारीसाथ में प्रजनक मछली बैंक प्रस्तावित है। दो साल में मछली बीज उत्पादकों अच्छी क्वालिटी का प्रजनक नर और मादा मछली मिलेगी। इससे राज्य में मछली उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

-तारकिशोर प्रसाद, उपमुख्यमंत्री

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 11.07.2022 | पृष्ठ सं० 04

एक्सीडेंट को रोकने की पहल • अब बच्चों को मिलेगी ट्रैफिक की ट्रेनिंग

2450 वर्गफीट में बनेगा ट्रैफिक पार्क, बच्चे सीखेंगे सड़क पर चलने का सलीका

सिटी रिपोर्टर। पटना

पटना सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में होने वाले एक्सीडेंट को रोकने के लिए बच्चों को ट्रैफिक की ट्रेनिंग दी जाएगी। दस वर्ष के बच्चों को ट्रैफिक नियमों की सारी जानकारी व्यावहारिक रूप में दी जाएगी। उन्हें रोड पर चलने का सलीका बताया जाएगा। ट्रेनिंग में बच्चे सीखेंगे कि सड़क कैसे पार करते हैं, जेब्रा क्रासिंग से कब और कैसे पैदल पार करते हैं, कौन सी लाइट जलने पर रुकना है और कौन सी लाइट जलने पर आगे बढ़ना है। इतना ही नहीं पैदल चलते समय पर सड़क पर किस तरह से चलना चाहिए। राजधानी के वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में ट्रैफिक पार्क का निर्माण किया जा रहा है। इस पार्क में बच्चों को सड़क सुरक्षा की सभी बारीकियां सिखाई जाएंगी। परिवहन विभाग के अधिकारी के मुताबिक बच्चों को ट्रेनिंग देने के पीछे मकसद है कि आने वाली पीढ़ी ट्रैफिक के बारे में बेहतर जान सके। जब बच्चे 18 वर्ष के हो और ड्राइविंग लाइसेंस बनाकर सड़क पर उतरें तो हादसा न के बराबर होगा।

वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क

ट्रैफिक पार्क के लिए वन विभाग दे रहा जमीन

ट्रैफिक पार्क निर्माण करने के लिए पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के द्वारा परिवहन विभाग को जमीन दी जाएगी। क्रिकेट पीच, फुटबॉल पीच और तालाब के पास ट्रैफिक पार्क बनाने के लिए जमीन मिल सकती है। वन विभाग ने करीब 2450 वर्ग फीट जमीन देने के लिए हांमी भर दी है। सब कुछ ठीक रहा तो अक्टूबर 2022 तक पार्क बनकर तैयार हो जाएगा।

हर दिन 150 बच्चों को दी जाएगी ट्रेनिंग

ट्रैफिक पार्क में हर दिन करीब 100-150 बच्चों को ट्रैफिक की ट्रेनिंग दी जाएगी। पटना नगर निगम, नगर परिषद् के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में आने वाले सरकारी और प्राइवेट स्कूल के बच्चों को सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी जाएगी। ट्रैफिक पार्क में हर समय गाइड रहेगा। हर महीना करीब 4000 बच्चों को ट्रेड किया जाएगा।

हर जिला में बनाया जाएगा ट्रैफिक पार्क

प्रदेश में हर दिन किसी न किसी जिला में रोड एक्सीडेंट की खबर आती रहती है। एक्सीडेंट को जीरो लेवल पर लाने के लिए पटना सहित प्रदेश सभी जिलो में ट्रैफिक पार्क का निर्माण किया जाएगा। पहले चरण में पटना में निर्माण किया जाएगा। वहीं दूसरे चरण में पटना को आधार माने तो हुए सभी जिलो में ट्रैफिक पार्क बनाने की बात चल रही है। इसका लाभ जिला में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 11.07.2022 | पृष्ठ सं० 09

बजट तय • 11 जिलों के 12 कन्या आवासीय स्कूलों में मिलेगी सुविधा

मेडिकल-इंजीनियरिंग की तैयारी निःशुल्क कर सकेंगी छात्राएं

आलोक द्विवेदी | पटना

पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, सारण, रोहतास सहित 11 जिलों में स्थित पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालयों में पढ़ने वाली 25 सौ छात्राओं को निःशुल्क मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करवाएगा। तैयारी के दौरान छात्राएं नेशनल टेस्ट एजेंसी के माध्यम से ऑनलाइन परीक्षा देंगी। जिसके आधार पर उनकी प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाएगी। ये तैयारी क्लास 11 और 12वीं में पढ़ने वाली छात्राओं को उनके विषय के मुताबिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान ही अतिरिक्त क्लास के माध्यम से करायी जाएगी। प्रथम चरण में 11 जिलों में 12 स्कूलों का चयन किया गया है। जिसमें पटना के कदमकुआं और मोकामा स्थित अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय शामिल है। 12 विद्यालयों में तैयारी करने वाले छात्राओं की सफलता के आधार पर अन्य जिलों में संचालित पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय में तैयारी शुरू होगी।

प्रत्येक स्कूल का 25 हजार रुपए का बजट

मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए 12 स्कूलों के लिए तीन लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। जिसमें प्रत्येक स्कूल को 25 हजार रुपए दिया जाएगा। इन पैसे से विद्यालय मेडिकल और इंजीनियरिंग का निर्धारित सिलेबस का एक-एक सेट खरीदेंगे। जिसको स्कूल के पुस्तकालय में रखा जाएगा। छात्राओं को ऑनलाइन क्लास के माध्यम से जानकारी दी जाएगी और आवश्यकतानुसार छात्राओं को ऑफलाइन भी सहयोग किया जाएगा। इस दौरान 12 विद्यालयों में कार्यरत भौतिक, रसायन, गणित, जीव विज्ञान के शिक्षकों को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे वह छात्राओं के पढ़ाने के तरीके, मेडिकल और इंजीनियरिंग में पूछे जाने वाले प्रश्न की रुपरेखा सहित अन्य की जानकारी दी जाएगी। शिक्षक द्वारा निर्धारित सिलेबस को पढ़ाने के साथ ही एनटीए द्वारा छात्राओं का टेस्ट होगा। जिससे उनके तैयारियों के बारे में जानकारी मिल सके।

रैंकिंग का निर्धारण कर तैयारी पर दिया जाएगा ध्यान

मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले छात्राओं का नेशनल टेस्ट एजेंसी के माध्यम से ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिन छात्राओं को नंबर कम होगा, उन्हें विशेष क्लास के द्वारा निर्धारित विषय की तैयारी करायी जाएगी। तेज छात्राएं के माध्यम से ग्रुप डिस्कशन का आयोजन होगा। जिससे कमजोर छात्राओं को मदद मिल सके और तेज छात्राएं अपने विषय को अच्छी तरह से याद कर सके।

मेडिकल और इंजीनियरिंग में पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग की छात्राओं की

सफलता को बढ़ाने के लिए कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालयों में फ्री में तैयारी करायी जाएगी। इसके लिए बजट का निर्धारण हो चुका है। तैयारी के लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। जिससे वह छात्राओं को अच्छी तरह से समझ सके। कोशिश है कि, मेडिकल और इंजीनियरिंग में अधिक से अधिक छात्राएं सफल हो। **-रेणु देवी,** उप मुख्यमंत्री

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 11.07.2022 | पृष्ठ सं० 4

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	2103
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	421
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	275
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,83,74,352
⇒ कम से कम एक डोस	7,15,78,023
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,25,02,401

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर
दक्षिण कोरिया
जापान
हॉग कॉग
यू.ए.ई.
सिंगापुर
बहरीन
न्यूजीलैंड
कनाडा
यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया
सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई
हैदराबाद
पुणे
चेन्नई
नागपुर
गुजरात
कोलकाता
वाराणसी
गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.